मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 251, मुंबई, सोमवार, 27 नवंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

12वीं के छात्र को अगवा करके पीटा, चेहरे पर किया पेशाब...

मेरठ से सामने आया खौफनाक घटना

मुंबई हलचल/संवाददाता

मेरठ। मेरठ में कुछ लड़कों ने अपने ही दोस्त की बेरहमी से पिटाई की फिर उसके चेहरे पर पेशाब कर दिया। इसके बाद उन्होंने इस वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने सात आरोपियों में से एक को अरेस्ट कर लिया है। उनके खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज किया गया है। यह घटना 13 नवंबर की बताई जाती है। कुछ समय पहले मध्य प्रदेश के सीधी में एक आदिवासी युवक के मुंह पर एक शख्स ने पेशाब की थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में बेमौसम बारिश से बदला मौसम

मुंबई, ठाणे, पालघर समेत महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने से मौसम ने बड़ी करवट ली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार और सोमवार को मुंबई और इसके आसपास के ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में एक या दो स्थानों पर बिजली गिरने और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ बारिश की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

कोरोना काल में ऑक्सीजन प्लांट घोटाले में... बीएमसी ठेकेदार रोमिन छेड़ा गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा ने कोविड ऑक्सीजन प्लांट मामले में आरोपी बीएमसी ठेकेदार रोमिन छेड़ा को गिरफ्तार किया है। इस घोटाले में ये पहली बड़ी गिरफ्तारी है। इसे उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे का करीबी बताया जा रहा है। दरअसल, महाराष्ट्र में कोरोना के दौरान ऑक्सीजन प्लांट घोटाले के अलावा बॉडी बैग घोटाला, खिचड़ी घोटाला और रेमडेसिवीर घोटाला सामने आया था। क्सिजन प्लांट के लिए 140 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया था, जिसका कॉन्ट्रैक्ट रोमिन छेड़ा को दिया गया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में महायुति का फॉर्मूला तय!

बीजेपी 26 लोकसभा सीटों पर, तो शिवसेना, अजित गुट 22 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी खींचतान के बीच बड़ी खबर आ रही है। 2024 लोकसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी (अजित पवार गुट) में रस्साकशी तेज हो गई है। इस बीच, बीजेपी नेता व डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा बयान सामने आया है। देवेंद्र फडणवीस ने एक साक्षात्कार में कहा, लोकसभा चुनाव के लिए महायुति का सीट आवंटन लगभग तय हो चुका है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पत्नी ने बिल्डर पति के चेहरे पर मारा मुक्का, हो गई मौत!

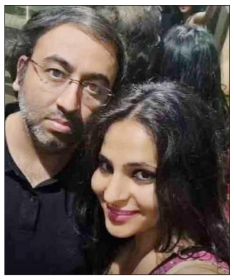

...बताया जा रहा है कि इससे उसकी नाक और मुंह की हड्डियां टूट गईं। अत्यधिक खून बहने के कारण निखिल की मौत हो गई। पुलिस को शक है कि पत्नी रेणुका शराब के नशे में थी

मुंबई हलचल/संवाददाता

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। जहां वानवडी पुलिस सीमा में एक कंस्ट्रक्शन कारोबारी (बिल्डर) पति की पत्नी की पिटाई से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घरेलू विवाद के चलते पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। इस दौरान महिला ने कथित तौर पर अपने पति के चेहरे पर जोरदार मुक्का मारा। जिससे बिल्डर की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना आज (24 नवंबर) दोपहर करीब 12 बजे वानवडी के एक पॉश सोसाइटी की इमारत में हुई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पेशे से बिल्डर निखिल और रेणुका ने छह साल पहले प्रेम विवाह किया था

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

डूबती उम्मीदों के बीच

वाजिब आशंका है कि बचाव कार्य लंबा खिंचा, तो डूबती-उतराती उम्मीदों के बीच जी रहे मजदूर क्या तब तक अपना जीवन संघर्ष जारी रख पाएंगे। फिलहाल यह साफ है कि मीडिया में बनाया गया यह माहौल निराधार था कि अब कुछ घंटों का ही इंतजार बाकी है।

उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के जल्द निकल आने की उम्मीदें अब कमजोर पड़ गई हैं। इस कार्य के लिए ऑस्ट्रेलिया से बुलाए गए विशेषज्ञ ने तो इस कार्य के पूरा होने की समयसीमा क्रिसमस तक बढ़ा दी है। यानी पूरा एक महीना और। यह आशंका वाजिब है कि सचमुच यह काम इतना लंबा खिंचता है, तो डूबती-उतराती उम्मीदों के बीच जी रहे मजदूर क्या तब तक अपना जीवन संघर्ष जारी रख पाएंगे। बहरहाल, यह तो साफ है कि सरकारी ब्रीफिंग के आधार पर मीडिया द्वारा कुछ घंटों के इंतजार का बनाया गया माहौल निराधार था। इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सुरंग के पास जाकर टीवी कैमरों के कवरेज के बीच मजदूरों को यह बता आए प्रधानमंत्री उनकी रोज खोज-खबर ले रहे हैं। लेकिन ऐसे त्रासद मौके को भी इवेंट बना देने वाली सरकार अपनी उस परियोजना पर पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है, जिसे पर्यावरणविदों की चेतावनियों के बावजूद आगे बढ़ाया जा रहा है। इन चेतावनियों में बार-बार कहा गया है कि हिमालय की पारिस्थितिकी इतनी भुरभुरी है, जिसमें छेड़छाड़ बड़े हादसों को न्योता देना है। हाल के वर्षों में हिमालय क्षेत्र में पारिस्थितिकीय दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इसी वर्ष इसका भयानक नजारा हिमाचल प्रदेश में देखने को मिला। बताया जाता है कि सुरंग ढहने के पीछे भी एक प्रमुख कारण हिमाचल की ऐसी संचरना ही है। बहरहाल, आज देश में ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण माहौल बना हुआ है, जिसमें हादसों या अप्रिय घटनाओं की तह में जाने संबंधी चर्चा की गुंजाइश बेहद सिमट गई है। राजनीतिक संस्कृति ऐसी बन गई है, जिसमें आतंकवादियों के हाथों जान गंवाने वाले सैनिक अफसर के घर मंत्री सहायता राशि का चेक लेकर जाते हैं, तो बिलखती मां को उसे सौंपने के लिए टीवी कैमरों और लाव-लश्कर का पूरा तामझाम लगाया जाता है। इतना कि उस लाचार मां को यह कहना पड़ता है कि यहां प्रदर्शनी मत लगाओ। यह दुखद घटना रजौरी मुठभेड में मारे गए कैप्टन शुभम गुप्ता के आगरा स्थित घर पर हुई। मजदूरों की डूबती-उबरती को सांसों को भी इवेंट बनाने की कोशिश को इसी क्रम में देखा जाएगा।

युद्ध से न अब जीत, न हार!

सच्चाई है पर अविश्वसनीय! इजराइल लाचार और फेल। पचास दिन हो गए है न हमास को इजराइल खत्म कर पाया और न वह बंधकों का पता लगा पाया। और मजबूर हो कर उसने लड़ाई रोकी, हमास से सौदेबाजी के साथ बंधकों व कैदियों की अदला-बदली कर रहा है। सवाल है पचास दिनों में इजराइल को क्या हासिल हुआ? यदि तटस्थता से सोचे तो पहली बार यहूदियों और इजराइल की चौतरफा बदनामी है! सिर्फ बीस किलोमीटर का एक इलाका और 20-22 लाख फिलीस्तीनी आबादी में से वह अपने बंधकों और हमास की लीडरशीप को ढूंढ नहीं पाया है तो इजराइली खुफियांगिरी की जहां पोल खुली है वही इजराइली सेना की असमर्थता और लाचारगी भी प्रमाणित है। साथ में बडा निष्कर्ष यह कि कोई कितनी ही मिसाइले घनी शहरी बस्तियों पर दांगे, बमबारी से शहरों को खंडहर बना दे लेकिन अपेक्षित सैनिक लक्ष्य अब प्राप्त नहीं हो सकते है जैसे बीसवीं सदी में हुआ करते थे। यह सत्य गाजा पट्टी से जाहिर है तो यूक्रेन के शहरों पर रूसी बमबारी से भी साबित है। सोचे, दो वर्षों में टीवी चैनलों पर दुनिया ने यूक्रेन और गाजा पट्टी पर बमबारी और विनाश की कैसी-कैसी भयावह तस्वीरें देखी मगर क्या यूक्रेनी लोगों का हौसला टूटा? क्या फिलस्तीनी लोगों के चेहरें तौबा करते दिखलाई दिए? क्या रूसी सेना और पुतिन को यूक्रेन पर हमले से सैनिक और राजनैतिक लक्ष्य हासिल हुए? क्या इजराइल के सत्ताखोर और अकडू प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनका वॉर केबिनेट जीत का दांवा कर सकता है?

सचमुच रूस और इजराइल दोनों का सैनिक महाबल लाचार और बेमतलब प्रमाणित है। न यूक्रेन पर रूस का कब्जा हुआ है और न होने वाला है तो इजराइल भी हमास को खत्म नहीं कर सकता। उत्तरी गाजा को बरबाद करने, चप्पे-चप्पे को तलाश लेने के बावजूद इजराइल अपने बंधकों का पता नहीं लगा पाया। न ही हमास के लड़ाकों या लीडरशीप को मार या पकड सका। वह वैश्विक कूटनीति के जरिए अपने बंधकों को छुड़ा रहा है और बदले में अपनी जेलों में बंद फिलीस्तीनी कैदियों को अधिक संख्या में छोडता हुआ है। हमास के नकाब पहने लड़ाके (या चाहे तो आंतकी माने) रेडक्रास को जैसे यहूदी बंधकों को सुपुर्द करते दिखे है वे न केवल सशस्त्र है बल्कि अपने समय, अपनी शर्तों व प्लानिंग से सबकुछ करते हुए है। सीधा अर्थ है कि भयावह तबाही और सबकुछ चौपट होने के बावजूद गाजा में फिलीस्तीनियों का नेतृत्व हमास का ही बना रहेगा।

तो पचास दिन के इजराइली सैनिक अभियान से ग्राउंड रियलिटी क्या बदली है? शहर जरूर खंडहर हो गए है लेकिन न हमास खत्म हुआ है और न आम फिलीस्तीनी में हमास के खिलाफ यह गुस्सा या यह विद्रोह है कि ये हमारी तबाही के लिए जिम्मेवार। बरबादी के लिए दोषी। इन्हे हम पकडवाएंगे। ऐसे युद्ध उन्मादियों से अब हम पिंड छुड़ाएंगे। सवाल है सभी बंधकों की रिहाई के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनका वॉर केबिनेट क्या और बड़े पैमाने पर गाजा के चप्पे-चप्पे को खोद डालेंगा, आंतकियों को मिटा कर ही दम लेगा? संभव नहीं है। उलटा होना है। इसलिए क्योंकि गाजा के भीतरतथा वेस्ट बैंक, अरब-खाडी देशों और वैश्विक नैरेटिव में इजराइल ने आठ अक्टूबर के बाद से अपनी जो तस्वीर, अपनी इमेज बनाई है उसके चलते गाजा को पूरी तरह अधिनस्थ करना, उसे ओपन जेल बनाना या इन तरीकों से अपने को सुरक्षित बनाना संभव नहीं है। हमास के आंतकी हमले के बाद दुनिया में इजराइल के प्रति सहानुभूति-संवेदना थी। हमास को मिटाने, बदला लेने के तेंवर, कार्रवाई में भी दुनिया साथ थी। लेकिन राजनैतिक-खुफिया और सैनिक लीडरशीप कीयह नाकामयाबी थी जो इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों को बिना चिंहित किए अंधाधुन बमबारी की। रिहायसी इलाकों, स्कूल, अस्पतालों और नागरिक सेवाओं के तमाम केंद्रों पर। मानों वह आम फिलीस्तीनी आबादी से बदला ले रहा हो। इजराइल की कार्रवाई से यह फर्क नहीं झलका कि वह सिविल आबादी पर नहीं बल्कि आंतकी ठिकानों को निशाना बना रहा है। इससे पूरी दुनिया में इजराइल जवाबदेह है तो यहूदी समुदाय न्यूयार्क से लेकर लंदन सभी और नफरत के शिकार होते हुए है। इसलिए न जीत और न लड़ाई का अंत। इजराइल कुछ भी कर लें उसकी ह्यआंतक के खिलाफ लड़ाईह्न का हश्र वहीं होना है जिसका अनुभव अमेरिका को हुआ है। अफगानिस्तान, इराक या उत्तर-पूर्व के अफ्रीकी देशों को हुआ है। कह सकते है कि युद्ध लडकर 21वीं सदी में देश-कौम, सभ्यताओं की राजनीति नहीं सध सकती। इजराइल बनाम हमास के युद्ध का अलग नेचर है तो रूस-यूक्रेन लडाई का अलग। पर दोनों के में मूल में राजनीति है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने विश्व राजनीति में यह फितूर पाला था कि पश्चिमी देश और नाटों ताकतवर होते हुए है। सो अपने अंहम में उन्होने रूस की सुरक्षा में विस्तारवादी आईडिया बनाए। क्रीमिया पर कब्जा किया और फिर यूक्रेन पर निशाना साधा।

हां, राजनैतिक प्रतिस्पर्धा देश के भीतर हो या देशों के बीच, आम तौर पर पानीपत के मैदान नेताओं के अंहकार में बनते है। ऐसा पिछली सदी में भी था तो इक्कीसवीं सदी में भी है। बीसवीं सदी में नेताओं और देशों में जमीन की लड़ाई को लेकर महायुद्ध हुए। बाद में परमाणु हथियारों के विकास के बाद वैचारिक प्रतिस्पर्धा और ईगो के शीतयुद्ध में झगडे थे। पर सोवियत संघ के ढह जाने के बाद वैचारिकता खत्म हुई तो धर्म की कबीलाई लडाईयों का वक्त लौटा। अल कायदा के अमेरिका पर 9/11हमले के बाद तो कई जगह, अफगानिस्तानसे लेकर इराक में एक के बाद एक उन्मादी लड़ाईयां हुई। अमेरिका और पश्चिम के सभ्य समाजों ने हर संभव कोशिश की, साम-दाम-दंड-भेद से अफगानों को सभ्य बनाने में अरबों डालर फूंके लेकिन अंत नतीजा अमेरिका का कबीलाई बीहड से भागना था।

साफ है कि युद्ध अब बिना जीत के घसीटते है। मकसद प्राप्ति के बिना सैनिक लड़ाईयां फुस्स होती है। सालों से सीरिया में लड़ाई चल रही है। यमन में इलाके बंटे हुए है। सूडान में लड़ाई चल रही है। न कोई जीत रहा है और न हार रहा है। अजरबैजान नेनागोर्नो-काराबाख इलाके पर कब्जा कर अर्मेनियाई लोगों को बाहर निकाल किया तो कही कोई हल्ला नहीं। ऐसे ही सूडान, माली, अम्हारा, नाइजर, नाइजीरिया, सोमालिया से ले कर म्यांमार में गृह युद्ध या धर्म आधारित कबिलाई सशस्त्र लड़ाईया लड़ी जा रही है, लोग मर रहे है तो मरे किसे चिंता है। पश्चिम एशिया हो यादक्षिण चीन सागर और उत्तर-पूर्वी अफ्रीका में ऐसे कई हॉट-स्पॉट बने हुए है जिसमें चिंगारियां भडकती रहती है लेकिन कॉनफि.लक्ट् मेनेजमेंट के जुमले में कभी जो कूटनीति हुआ करती थी वह अब विश्व राजनीति में इसलिए बेमतलब हुई पड़ी है क्योंकि चीन और रूस तो अलग ही नई व्यवस्था बनाने के जुगाड में है।

दुनिया एक गांव में परिवर्तित है। इजराईल-हमास, रूस-यूक्रेन की लड़ाई टीवी चैनलों, सोशल मीडिया से घर-घर लाइव है। बावजूद इसके सभी देश क्योंकि अपनी-अपनी चिंताओं, समस्याओं और पंगों में उलझे हुए है तो अंदरूनी और पडौस से विवाद का प्रबंधन भी प्राथमिकताओं से बाहर है। जैसे भारत और चीन दोनों की सेनाएं आमने-सामने अड़ी हुई है। मणिपुर में जनजीवन दो हिस्सों में बंटा हुआ है लेकिन क्या विवाद प्रबंधन की कोई गंभीर कोशिश होते हुए है? पडौसी देश म्यांमार कई तरह के झगड़ों में फंसा हुआ है और लगातार अशांत है पर न फौजी शासकों की ताकत असरकारक है और न विद्रोही, बागी कुछ हासिल करते हुए है। मानों मजबूरी है लड़ना। फिर भले कुछ हासिल न हो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9821238815
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कौसा स्थित चांद नगर परिसर में हुआ भयंकर धमाका, परिसर में मचा हड़कंप

धमाके में उड़ी 20 फीट चार पहिया वाहन हुई क्षतिग्रस्त और कई इमारत की खिड़कियों की स्लाइडिंग समेत टूटी कांच, 15 रहिवासी बच्चे समेत हुए घायल

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। कौसा स्थित चांद नगर परिसर से भयंकर धमाका की खबर सामने आई है इस मामले में इमारत के रहवासी द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गत 25 नवंबर शनिवार सुबह 5:45 बजे के आसपास एक जबरदस्त धमाका हुआ जिससे परिसर में हड़कंप मच गया रहवासियों ने बताया धमाका मुगल पार्क के तल मंजिला इमारत की एक भंगार की दुकान मैं हुआ जिसके कारण आसपास की इमारत की खिड़कियों की कांच स्लाइडिंग समेत टूट कर सड़क पर आ गिरी और सामने खड़ी एक चार पहिया वाहन MHO3CP7921 ग्रे कलर वेगनर एक माला तक उड़कर जमीन पर आ गिरी जिससे वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई धमाका इतना भयंकर था जिसकी गूंज डेढ़ किलोमीटर तक सुनाई दी मानो ऐसा लग कि जैसे कोई इमारत गिर गई है चारों ओर पूरा धुंआ धुंआ छा गया था खिड़कियों की स्लाइडिंग समेत टूटी हुई कांच सड़क पर चारों ओर नजर आ रही थी 7 से 8 दुकान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और इमारत की रहवासी के घरों में धमाके के कारण काफी नुकसान हुआ है इमारत में दरारें पड़ गई है इमारत के रहवासियों को यह लग रहा था कि कोई ट्रांसफार्मर ब्लास्ट हो गया है। वह तो गनीमत रही कि यह धमाके का मामला सुबह के समय हुआ और अगर यही दोपहर के समय होता तो जनहानि भी संभावना थी। फिलहाल इस दुर्घटना में कोई जनहानि का मामला सामने नहीं आया है लेकिन 15 लोग खिड़कियों के कांच टूटने से घायल हुए हैं जिसमें कुछ बच्चे और महिलाएं शामिल है। इस दुर्घटना की जानकारी मुंब्रा पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही घटनास्थल पर मुंब्रा पुलिस के साथ में, दमकल विभाग, ठाणे क्राइम ब्रांच यूनिट नंबर 1 की टीम, मनपा प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच कर फॉरेंसिक टीम के साथ एनआईए, बॉम्ब स्क्वाड, को बुलाया गया। घटनास्थल पर ठाणे पुलिस आयुक्तालय जोन एक के उपायुक्त गणेश गावडे, कलवा विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त विलास शिंदे, ठाणे क्राइम ब्रांच जोन एक के उपायुक्त शिवराज पाटिल, और दंगल नियंत्रण पुलिस, नवी मुंबई पुलिस को बंदोबस्त के लिए बुलाया गया। पुलिस द्वारा शुरू की गई जांच के आधार पर यह बताया जा रहा है कि बाटला के अंदर से गैस लीकेज होने के कारण बंद गला में पूरा गैस भर गई और अचानक लाइट आने की वजह से यह धमाका हो गया लेकिन जांच रिपोर्ट आना अभी बाकी है फिलहाल सुरक्षा को मध्य नजर कर रखते हुए मुगल पार्क इमारत ए विंग के 23 परिवारों को मकान खाली कराए गए हैं। स्थानीय विधायक जितेंद्र अवार्ड ने मौजूदा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जिस तरह का धमाका आज हुआ है इसके संकेत अच्छे नहीं है। अवार्ड ने शासन प्रशासन पर निशान साधते हुए कहा कि मनपा आयुक्त और पुलिस कमिश्नर ने और मौजूदा सरकार जो पिछले 1 साल से आई है उसने मुंब्रा को बर्बाद कर दिया है, और भुगतान हम लोगों को भुगतना पड़ रहा है जिन 23 परिवारों को धमाके के कारण खाली कराया गया है उन्हें कहां स्थानांतरित किया जाएगा अगर एमएमआरडीए मैं भ्रष्टाचार नहीं किया गया होता, तो आज इन 23 परिवार वालों को वहां पर स्थानांतरित किया जा सकता था। लेकिन एमएमआरडीए इमारत में 200 फ्लैटों का घोटाला पुलिस और मनपा प्रशासन के अधिकारी द्वारा मिली भगत से किया गया है। जिसमें पुलिस ने फर्जी दस्तावेज को गायब करने के लिए साढे तीन करोड रुपए लिए गए थे। जिन लोगों को एमएमआरडीए इमारत में मकान मिलने चाहिए थे उनको नहीं मिलते हुए भ्रष्टाचारी अधिकारी के बल पर 200 मकान का घोटाला किया गया। आखिर में उन्होंने कहा कि मैं मनपा आयुक्त से बात करता हूं कि अगर एमएमआरडीए इमारत में मकान खाली हो तो इन लोगों को स्थानांतरित किया जाए। मुंब्रा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त बालू पिछड़ द्वारा 23 परिवार को एमएम वैली स्थित सरकारी स्कूल में स्थानांतरित करने के लिए दो-तीन दिन के लिए कहां जा रहा है जब इमारत का स्ट्रक्चर ऑडिट हो जाएगा उसके बाद क्या रिपोर्ट आती है उसके आधार पर आगे जानकारी दी जाए फिलहाल जिस तरह का धमाका कौसा स्थित चांद नगर परिसर मैं हुआ है उसने पुलिस प्रशासन को बुरी तरह से हिला कर रख दिया है और अब मुंब्रा पुलिस को चौकन्ना रहने की सख्त आवश्यकता है।

मुंब्रा पुलिस जांच में जुटी, स्थानीय विधायक जितेंद्र आव्हाड ने धमाके को लेकर मौजूदा सरकार पर साधा निशाना, एमएमआरडीए इमारत में पुलिस और मनपा अधिकारी की मिली भगत से किया गया 200 मकानों का स्कैम

(पृष्ठ 1 का समाचार)

कोरोना काल में ऑक्सीजन प्लांट घोटाले में बीएमसी ठेकेदार रोमिन छेड़ा गिरफ्तार

लेकिन, इसमें से महज 38 करोड़ रुपए ही खर्च किए गए थे। बाकी का 102 करोड़ रुपए मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए गबन किया गया। ऑक्सीजन प्लांट मामले मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत गिरफ्तारी हुई है। रोमिन पर बुधवार रात ही मुंबई के नवघर पुलिस स्टेशन में किरीट सोमैया की शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज करवाई गई थी, जिसे गुरुवार ही आर्थिक अपराध शाखा को ट्रांसफर कर दिया गया था। रोमिन से कल से आर्थिक अपराध शाखा पूछताछ कर जा रही थी, लेकिन वह मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर सही जवाब नहीं दे रहा था। 140 करोड़ के ऑक्सिजन प्लांट कोविड काल मे लगवाने थे, लेकिन महज 38 करोड़ खर्च किए गए बाकी के 102 करोड़ कहां गए ये सवाल उठाते हुए किरीट ने सीधे अदित्य ठाकरे पर सवाल उठाए थे। रोमिन को कॉन्ट्रैक्ट देने का विरोध तत्कालीन एमवीए सरकार में मंत्री और कांग्रेस के नेता असलम शेख ने भी विरोध किया था। इसके बावजूद ऑक्सीजन प्लांट के रोमिन को टेंडर दिए गए। नवघर पुलिस में किरीट ने इस पर एफआईआर दाखिल करने के लिए शिकायत की थी।

12वीं के छात्र को अगवा करके पीटा, चेहरे पर किया पेशाब...

इसका वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो सरकार होश में आई। युवक मेरठ के मेडिकल थाना क्षेत्र के जागृति विहार का रहने वाला है। उसके पिता ने बताया कि, बेटा दीपावली के अगले दिन 13 तारीख को मिठाई बांटने के लिए घर से बाहर गया था। तभी केएल इंटरनेशनल स्कूल के पास से अवि शर्मा पुत्र महेश शर्मा निवासी जेल चुंगी थाना मेडिकल, आशीष मलिक निवासी अजंता कॉलोनी मेडिकल, राजन पुत्र मनोज निवासी जागृति विहार, मोहित ठाकुर निवासी सोमदत्त सिटी और तीन अज्ञात युवकों ने अगवा कर लिया। उसके बाद लाठी, डंडों से जमकर मारपीट की। उसे इतना पीटा की वह जमीन पर गिर गया। आरोपी इतने पर ही नहीं रुके, उन्होंने जबरन उसके चेहरे पर पेशाब कर दिया।

पत्नी ने बिल्डर पति के चेहरे पर मारा मुक्का, हो गई मौत!

मृतक बिल्डर का नाम निखिल पुष्पराज खन्ना (उम्र 36) है। जबकि आरोपी पत्नी का नाम रेणुका निखिल खन्ना (उम्र 38) नाम बताया जा रहा है। निखिल पुणे के मशहूर कंस्ट्रक्शन बिजनेसमैन हैं। गुस्से में आकर रेणुका ने निखिल की नाक पर जोरदार मुक्का मार दिया। बताया जा रहा है कि इससे उसकी नाक और मुंह की हड्डियां टूट गईं। अत्यधिक खून बहने के कारण निखिल की मौत हो गई। पुलिस को शक है कि पत्नी रेणुका शराब के नशे में थी। फिलहाल मामले की जांच चल रही है। वानवडी पुलिस ने रेणुका खन्ना को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच कर रही है। बता दें कि पेशे से बिल्डर निखिल और रेणुका ने छह साल पहले प्रेम विवाह किया था। इसी बीच आज दोपहर के करीब दोनों के बीच मामूली बात को लेकर झगड़ा हो गया। गुस्से में आकर पत्नी रेणुका ने पति निखिल के चेहरे पर मुक्का मार दिया। जिससे निखिल बेसुध होकर गिर पड़े।

महाराष्ट्र में महायुति का फॉर्मूला तय!

बीजेपी 26 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शिवसेना (शिंदे समूह) और एनसीपी (अजित पवार समूह) 22 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी 25 और शिवसेना 23 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इसमें बीजेपी को 23 और शिवसेना को 18 सीटों पर कामयाबी मिलीं। फडणवीस ने कहा, महायुति सरकार एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में काम कर रही है। नेतृत्व परिवर्तन की खबरें झूठी हैं। मैं लोकसभा चुनाव भी नहीं लड़ूंगा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में 48 लोकसभा क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया गया है। हमें विजयी उम्मीदवारों के बारे में जानकारी मिल गई है। 2019 में चुने गए सांसदों को दोबारा प्रत्याशी बनाने की हमारी परंपरा है। लेकिन, यह अभी अंतिम निर्णय नहीं है। अंतिम निर्णय लेने से पहले विभिन्न स्तरों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में महायुति 40 से 42 सीटें जीतेगा। देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन कर रही है।

बिजली गिरने से इमारत में लगी आग, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

मुंबई। मुंबई से सटे ठाणे और पालघर जिले के कई हिस्सों में रविवार को भारी बारिश हुई। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से ठाणे में एक इमारत में आग लग गई। गनीमत रही कि कोई जनहानि होने से पहले ही आग बुझा दी गई। मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दोनों जिलों में अगले तीन दिन गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे के भिवंडी शहर के कलहेर क्षेत्र में दुर्गेश पार्क इलाके में आज सुबह पौने सात बजे के करीब एक इमारत की प्लास्टिक की छत पर आग लग गई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन आग से इमारत की प्लास्टिक की छत क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया। कहा जा रहा है कि इमारत पर बिजली गिरने के बाद आग लगी। घटना के बाद इमारत के निवासी सहम उठे। उधर, पालघर में बारिश के चलते कुछ सड़क हादसे हुए। मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक शख्स की मौत हो गयी। पालघर जिला ग्रामीण नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि केलवे पुलिस की सीमा में हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति की जान चली गई।

उत्साह के साथ मनाया गया सामाजिक कार्यकर्ता कांग्रेस लीडर गुलफाम खान का जन्मदिन

शाल और बुके देकर जफर सिद्दीकी ने किया गुलफाम खान का सत्कार

मुंबई। सांताक्रुज इलाके सुप्रसिद्ध डेवलपर कयूम तंबोली जी के विश्वासु लोकप्रिय कांग्रेस लीडर सामाजिक कार्यकर्ता गुलफाम खान का जन्मदिन सांताक्रुज के गोलीबार में गुलफाम खान के जनसंपर्क कार्यालय में उत्साह के साथ जन्मदिन का केक काटकर मनाया गया, सुप्रसिद्ध डेवलपर कयुम तंबोली जी ने अपने कार्यालय में गुलफाम खान को जन्मदिन का केक खिलाया बुके देकर जन्मदिन की बधाई देकर सम्मान किया। इस वक्त प्रमुख उपस्थिति में सांताक्रुज के और मुंबई के गुलफाम खान के चाहने वालों ने गुलफाम खान को जन्मदिन की ढेर सारी बधाइयां दी जन्मदिन की बधाई देने वालों में इरशाद कुरैशी सामाजिक कार्यकर्ता फहीम शेख, सलीम फाउंडेशन के

अध्यक्ष सलीम खान, उस्मान खान उर्फ लाला, आरिफ भाई, अनवर कुरैशी, रमेश पवार, आबिद शेख, वसीम शेख हाजी अब्दुल हकीम शेख, शोएब खान, एडवोकेट खालीक शेख, इंडिया कांग्रेस वर्कर कमेटी के मुंबई अध्यक्ष पत्रकार जफर सिद्दीकी, उत्तर मध्य ऑल इंडिया वर्कर्स कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष उस्मान खान, डी एफ यस बिल्डर फजल सौदागर, फिरोज शेख, निसार भाई, अब्दुल रहीम उर्फ राजा इन सभी लोगों ने गुलफाम खान को जन्मदिन का केक खिलाकर और बुके देकर जन्मदिन की दी बधाई। किसी ने फेसबुक पर किसी ने इंस्टाग्राम पर तो किसी ने इस व्हाट्सएप और ट्विटर पर सोशल मीडिया के जरिए गुलफाम खान के चाहने वालों ने जन्मदिन की दी बधाई। सामाजिक कार्यकर्ता गुलफाम खान ने तमाम दोस्त मित्र की बधाई को स्वीकार किया। और जन्मदिन पर बधाई देने पर गुलफाम खान ने तमाम दोस्त मित्र का दिल से शुक्रिया अदा किया।

देश में बढ़ेगी 3 लाख से ज्यादा इंजीनियरों की मांग, इन सेक्टरों का रहेगा बोलबाला

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्र सरकार की नीतियों, मेक इन इंडिया का प्रभाव और भारतीय इकोनॉमी की ताकत के चलते दुनियाभर की दिग्गज बहुराष्ट्रीय कंपनियां (एमएनसी) अब भारत में ही अपना प्लांट लगाने की तैयारी कर चुकी हैं।

- कंपनियां दक्षिण एशियाई बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत बना रही

टेस्ला समेत कई ग्लोबल कंपनियां इस संबंध में अपने इरादे समय-समय पर जताती रहती हैं। भारत की तरक्की के रथ पर सवार होकर ये कंपनियां दक्षिण एशियाई बाजारों में भी अपनी मजबूत पकड़ बनाना चाहती हैं। अब तक ज्यादातर आईटी और सर्विस सेक्टर से जुड़े काम ही भारत आते थे। मगर, अब कई कंपनियां अपनी रिसर्च, डिजाइन और इंजीनियरिंग से जुड़े कामों को भी भारत भेजने लगी हैं। इसलिए देश के इंजीनियरों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए कमर कस लेनी चाहिए।

मेक इन इंडिया के चलते भारत में एमएनसी लगा रहे अपना प्लांट

आईटी नहीं इन सेक्टरों में होंगी नौकरियां

मल्टी नेशनल कंपनियां (एमएनसी) भारत में अपने मैन्यूफैक्चरिंग सेंटरों को बढ़ाने में जुट गई हैं। इसके चलते नौकरियों की बहार आने की पूरी संभावना है। रोचक बात यह है कि इनमें से ज्यादातर नौकरियां आईटी सेक्टर के बजाय मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों के लिए होंगी। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर ही इन नई जॉब को पैदा करेगा।

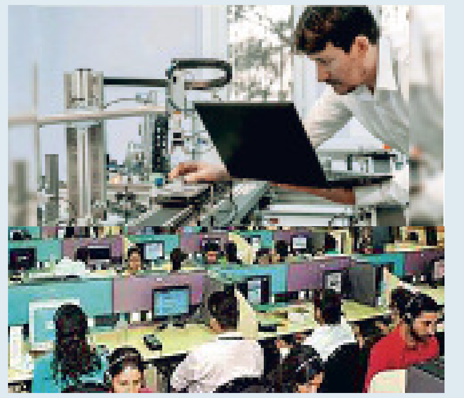

ऑटोमोबाइल और हार्डवेयर में अवसर ज्यादा

मर्सिडीज बेंज, बॉश, मिशलीन, एबीबी, बोइंग, एयरबस, रेनॉ, फोक्सवेगन ग्रुप, स्नाइडर इलेक्ट्रिक, जॉन डिअर, कैटरपिलर, कोंटिनेंटल और कोलिंस एयरोस्पेस जैसी कंपनियां भारत में मजबूती से काम करेंगी। हालांकि, नई तकनीक और ऑटोमेशन युवाओं के लिए नौकरी के रास्ते में बाधक बन रहे हैं। मगर, मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की यह बदलती तस्वीर बहुत उत्साहित करने वाली है। बैटरी मैनेजमेंट और हार्डवेयर क्षेत्र में भी कई नौकरियां पैदा होंगी।

3 लाख से ज्यादा नौकरियां पैदा होंगी : एक अनुमान के मुताबिक, इन बदलावों के चलते अगले तीन से चार साल में देश में 3 लाख से भी ज्यादा इंजीनियरिंग जॉब पैदा होंगे। ये नौकरियां एविएशन, ऑटोमोबाइल, टायर, पार्ट्स मेकिंग और इलेक्ट्रिकल सेक्टर में आएंगी। इंजीनियरों की डिमांड में लगभग 40 फीसदी उछाल आएगा। टियर-2 और 3 शहरों के इंजीनियरिंग कॉलेजों से भी फ्रेशर जाएंगे।

ग्रीन ट्रांसपोर्ट विकल्प की डिमांड से होगा फायदा

देश में ग्रीन ट्रांसपोर्ट विकल्प बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें डीजल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देना, सोलर एनर्जी को बढ़ावा देना, फ्यूल में एथेनॉल और बायो गैस का मिश्रण करना आदि शामिल हैं। इसलिए पांच साल में ग्रीन एनर्जी सेक्टर से जुड़ी नौकरियां आसानी से उपलब्ध होंगी।

मार्च 2024 से टी प्लस शून्य नियम लागू हो जाएगा

मार्च से ट्रेडिंग के दिन ही होगा शेयरों का पेमेंट तत्काल भुगतान 2025 से, सेबी का फैसला

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सेबी ने शेयरों की ट्रेडिंग का भुगतान उसी दिन करने की योजना तैयार कर ली है। मार्च, 2024 से यह 'टी प्लस जीरो' नियम लागू हो जाएगा। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने बताया कि हम शेयरों की खरीद और बिक्री वाले दिन ही पेमेंट की योजना लागू करने जा रहे हैं। इसके ठीक एक साल बाद 2025 में तत्काल पेमेंट का सिस्टम लागू हो जाएगा। इसके बाद यह दोनों ही सिस्टम चलते रहेंगे।

मुंबई में सेबी बोर्ड की बैठक के बाद पुरी ने बताया कि ट्रेडिंग से जुड़े इस नियम में बदलाव की मांग काफी समय से की जा रही थी। ब्रोकर्स चाहते थे कि पेमेंट तत्काल हो। इसमें एक घंटे की भी देरी न की जाए। इस संबंध में काफी चर्चा हुई और हमारी प्रगति संतोषजनक है। मार्च, 2024 के अंत तक सेम डे और अगले साल 2025 तक तत्काल पेमेंट की व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

जनवरी से लागू हुआ था टी+1 सेटलमेंट

शेयर ट्रेडिंग के लिए टी+1 सेटलमेंट जनवरी से लागू हुआ था। इसमें आपको ट्रेडिंग के अगले दिन पैसा मिल जाता था। इससे पहले टी+2 सिस्टम लागू था। सेबी चेयरपर्सन ने कहा कि बोर्ड ने डीलिस्टिंग नियमों पर विचार करने के लिए और ज्यादा जानकारी जुटाने के प्रयास भी शुरू कर दिए हैं।

- एक साल बाद 2025 से तत्काल पेमेंट सिस्टम होगा लागू
- ट्रेडिंग से जुड़े इस नियम में बदलाव की मांग काफी समय की जा रही
- ब्रोकर्स भी चाहते है पेमेंट तत्काल हो

बढ़ते आईपीओ पर दखलंदाजी नहीं

पुरी ने कहा कि सेबी बाजार में बढ़ती आइपीओ की संख्या पर नजर रखे है। मगर, इसमें फिलहाल दखलंदाजी की कोई जरूरत नहीं है। इस हफ्ते 5 कंपनियों के आइपीओ में रिकार्ड 2.6 लाख रुपये के आवेदन मिले हैं। इनमें टाटा टेक्नोलॉजीस, इरेडा, गंधार ऑयल रिफाइनरी, फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्रीज और फेडबैंक सर्विसेज के आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले। कंपनियां मार्केट से 7000 करोड़ रुपए इकट्ठे करना चाहती हैं।

एनपीओ आसानी से जुटा सकेंगे पैसा

सेबी ने नाट फॉर प्रोफिट आर्गेनाइजेशंस (एनपीओ) को स्टाक एक्सचेंज के जरिए पैसा जुटाने के लिए नियमों में ढील भी दी है। इसके लिए न्यूनतम राशि को एक करोड़ से घटाकर 50 लाख कर दिया गया है।

मुख्य बोर्ड में स्थानांतरित होने नए दिशानिर्देश

बीएसई ने अपने एसएमई मंच से मुख्य बोर्ड में स्थानांतरित होने को इच्छुक छोटे एवं मध्यम उद्यमों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत आवेदक के पास पिछले दो वित्त वर्षों में कम से कम 15 करोड़ रुपये की शुद्ध संपत्ति होनी चाहिए। दिशानिर्देशों के तहत, आवेदक कंपनी को कम से कम तीन वर्षों के लिए एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होना आवश्यक है।

250 शेयरधारक होने चाहिए

इसके अलावा मुख्य बोर्ड में स्थानांतरित होने से पहले उनके पास 250 सार्वजनिक शेयरधारक होने चाहिए। एसएमई का परिचालन लाभ कम से कम तीन वित्त वर्षों में से किसी दो में सकारात्मक होना चाहिए। साथ ही एक्सचेंज में स्थानांतरण आवेदन करने वाले मौजूदा वित्त वर्ष में शुद्ध मुनाफे में बढ़ोतरी दर्ज की हो।

15 करोड़ की शुद्ध संपत्ति होनी चाहिए

'आवेदक के पास पिछले दो पूर्ण वित्त वर्षों के लिए कम से कम 15 करोड़ रुपये की शुद्ध संपत्ति होनी चाहिए।' इसके अलावा आवेदक की चुकता इक्विटी पूंजी 10 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए और बाजार पूंजीकरण कम से कम 25 करोड़ रुपये होना चाहिए। आवेदक कंपनी पर एनसीएलटी में अतीत में या वर्तमान में कोई मामला नहीं होना चाहिए।

सूचीबद्धता के लिए पात्रता मानदंड में बदलाव

पिछले तीन वर्षों में किसी भी स्टॉक एक्सचेंज ने एसएमई और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ व्यापार को निलंबित करने जैसी कोई नियामक कार्रवाई नहीं की गई हो। साथ ही, आवेदक कंपनी उसके प्रवर्तकों के साथ-साथ उसकी अनुषंगी कंपनी को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं सेबी द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया गया हो। एक्सचेंज ने एसएमई मंच पर सूचीबद्धता के लिए पात्रता मानदंड में भी बदलाव किया।

भारत की 2030 में इस्पात की मांग होगी 19 करोड़ टन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत की इस्पात मांग 2030 तक सात प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़कर 19 करोड़ टन के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। स्टीलमिंट इंडिया की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

क्षेत्र से जुड़ी अनुसंधान कंपनी के अनुसार, मांग को बड़े पैमाने पर निर्माण व बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से बढ़ावा मिलेगा, जिसका कुल मांग में 60-65 प्रतिशत का योगदान है। वर्ष 2030 में सात प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के आधार पर भारत की इस्पात मांग 19 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है।'इंडियाज स्टील एंड कोकिंग कोल डिमांड 2030' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि सर्वोत्तम स्थिति में यह 2030 तक 23 करोड़ टन तक भी पहुंच सकती है। मांग को वाहन और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों द्वारा भी बढ़ावा दिया जाएगा। जनसंख्या वृद्धि, बढ़ते शहरीकरण, विभिन्न सरकारी पहल आदि इसके प्रमुख कारक होंगे। रिपोर्ट में अनुसार, 2023 के अंत तक मांग के

- उत्पादन 21 करोड़ टन होने का अनुमान

12 करोड़ टन तक पहुंचने की उम्मीद है और उत्पादन 13.6 करोड़ टन होगा। भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन 2030 तक 21 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जो 2023 के उत्पादन स्तर से 45 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया कि चीन सहित कई देशों में अपने मौजूदा उत्पादन स्तर की तुलना में इस्पात उत्पादन में गिरावट आएगी। इसमें कहा गया कि आने वाले समय में भारत समुद्र-जनित कोयले के सबसे बड़े आयातक के रूप में उभरेगा, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 30 प्रतिशत है।

35 करोड़ टन होगी लौह अयस्क की आवश्यकता

देश को 2030 तक करीब 35 करोड़ टन लौह अयस्क की आवश्यकता होगी। वर्ष 2030 घरेलू इस्पात उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार ने भारत की स्थापित इस्पात निर्माण क्षमता को 30 करोड़ टन तक बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

पीवीएस अवॉर्ड्स 2 दिसंबर को

वरिष्ठ पत्रकार तुलसीदास भोइटे, सईद अहमद खान, राजकुमार सिंह सहित अन्य पत्रकार होंगे सम्मानित

मुंबई। 'पत्रकार विकास संघ' (पीवीएस) का मीडिया अवॉर्ड्स समारोह इस वर्ष २ दिसंबर को आयोजित किया गया है। इस पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मालाड पश्चिम स्थित होटल साई पैलेस ग्रैंड में सुबह १० बजे से आयोजित है। समारोह में कई वरिष्ठ पत्रकार, राजनेता, आईएएस और आईपीएस अफसर उपस्थित रहेंगे। ज्ञात हो कि 'पत्रकार विकास संघ' पिछड़े डेढ़ दशक से पत्रकारों की आवाज बुलंद करने का सार्थक प्रयास कर रहा है। संघ पत्रकारों के हितों की रक्षा के साथ साथ उनके परिवारों के सुख-दुख में भी सदैव खड़ा रहता है। विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के अलावा 'पत्रकार विकास संघ' प्रति वर्ष मीडिया में बेहतरीन कार्य कर रहे पत्रकारों को सम्मानित भी करता है। इस कड़ी में 2023 के पीवीएस सम्मान समारोह में बेस्ट संपादक के तौर पर पुढारी के तुलसीदास भोइटे, रजत जयंती अवार्ड इंकलाब दैनिक के वरिष्ठ पत्रकार सईद अहमद खान, बेस्ट पॉलिटिकल रिपोर्टर एनबीटी के राजकुमार सिंह, बेस्ट क्राइम रिपोर्टर, फ्री प्रेस जर्नल के आशीष सिंह, बेस्ट रिपोर्टर (जनरल कैटेगरी) टाइम्स नाउ नेटवर्क की श्वेता वर्मा, बेस्ट फोटोग्राफर टीओआई प्लस के राजू शिंदे, बेस्ट डिजिटल रिपोर्टर डा. मयूर परीख, बेस्ट यांग जर्नलिस्ट, सीएनएन न्यूज 18 की येशा के कोटक, बेस्ट वीडियो जर्नलिस्ट एबीपी माझा के योगेंद्र गुप्ता, पीवीएस जीवन गौरव सम्मान हिंदुस्तान टाइम्स के सेवानिवृत्त डेप्युटी फोटो एडिटर विजयानंद गुप्ता, बेस्ट साप्ताहिक / पाक्षिक सत्यप्रकाश तिवारी, अंशकालिक पीवीएस ज्यूरी अवार्ड दोपहर का सामना के रविंद्र मिश्र के अलावा पत्रकार मित्र सम्मान से प्रख्यात व्यवसायी शिवजी अग्रवाल और आइटी सम्मान से रमन गुप्ता को सम्मानित किया जाएगा बतादें कि प्रति वर्ष देश के विशिष्ट राजनीतिज्ञ, पुलिस व प्रशासनिक उच्चाधिकारी, मूर्धन्य साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार इस पुरस्कार वितरण समारोह में अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाते रहे हैं। यूट्यूब और फेसबुक पर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होगा।

बिहार का सातवां सबसे गरीब जिला मधुबनी, ये विद्वानों की नहीं बल्कि गरीब-मजदूरों की है जमीन: प्रशांत किशोर

मधुबनी। जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शनिवार को जिले के रहिका प्रखंड, जितवारपुर गांव के महारानीगाछी में प्रेस वार्ता की। इस दौरान जिले की मूलभूत समस्याओं को गिनाया। प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं अबतक चार हजार गांवों में पैदल चलकर गया हूं। मधुबनी बिहार का सातवां सबसे गरीब जिला है। देश में प्रति व्यक्ति आय है एक लाख 35 हजार रुपए, बिहार में प्रति व्यक्ति आय है 34 हजार रुपए और मधुबनी में प्रति व्यक्ति आय है 22 हजार रुपए। मधुबनी में कई लोग बताते हैं कि ये विद्वानों की जमीन है, लेकिन मैं गांव-गांव घूम-घूमकर बता रहा हूं कि ये विद्वानों की जमीन कभी थी। लेकिन, आज ये मजदूरों और गरीबों की जमीन है। यहां पलायन और कृषि की उत्पादकता बिहार में सबसे कम है। मधुबनी में गेहूं का जो उत्पादन होता है वो बिहार के अन्य जिलों के मुकाबले में यहां सबसे कम है। 31 हजार हेक्टेयर जमीन

है जलकर, नहीं हो रहा व्यावसायिक उपयोग, बाढ़ और जल जमाव के कारण ज्यादा है गरीबीः प्रशांत किशोर खेती की समस्या पर प्रशांत किशोर ने कहा कि जिले में 31 हजार एकड़ जमीन जलकर है, ये जिले की सबसे बड़ी ताकत और कमजोरी भी है। जिले में कुल 2 लाख 23 हजार हेक्टेयर खेतीहर भूमि है, जिसमें 31 हजार हेक्टेयर जमीन जलकर है। 31 हजार हेक्टेयर जमीन में 85 फीसदी जलकर जमीन पर कोई भी काम नहीं हो सकता। उस जमीन को व्यावसायिक व आर्थिक उपयोग में नहीं लाया जा रहा है। जिले की गरीबी का एक और बड़ा कारण जलकरों का उपयोग न होना भी है। ये यहां की सबसे बड़ी ताकत है। आप लोग जो मच्छली-मखाना की बात करते हैं, ये उसी से जुड़ा हुआ है। क्योंकि यहां तालाब, पोखर बहुत हैं। बावजूद इसके ये रख रखाव के आभाव में बर्बाद हो गए हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के स्थापना दिवस समारोह शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब लेगी भाग

स्थापना दिवस पर कविता, शेरो-शायरी के साथ मुस्लिम हिस्सेदारी की होगी बातः नजरे आलम

मुंबई हलचल/सालिम आजाद

मधुबनी। ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां अपने 18वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर 28 नवंबर को संध्या 5 बजे से स्थापना दिवस समारोह मनाने जा रहा है। इस बात की जानकारी ऑलइंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम ने प्रेसवार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि इस स्थापना दिवस समारोह में सिवान के पूर्व सांसद मरहूम मो0 शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब आ रही हैं और वे आयोजित सभा को संबोधित करेंगी। इस आयोजन में कौमी एकता कॉन्फ्रेंस के साथ ही देश के नामचीन कवि भाग लेंगे। अपने कविता और शेरो शायरी से लोगों तक मोहब्बत का पैगाम पहुंचाएंगे। वहीं नजरे आलम ने कहा कि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। हालांकि इस तरह के कार्यक्रम की तैयारी को देखकर यहां के राजनीति गलियारों की सरगर्मी बढ़ गई है क्योंकि ऐसे लीडर के नेतृत्व में हम लोगों ने यह स्थापना दिवस मनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा हमारे संगठन और हिना शहाब का सीधा संदेश है कि यह गैर राजनीतिक कार्यक्रम है। इसको राजनीति से बिल्कुल नहीं जोड़ा जाए। वहीं उन्होंने कहा कि इस आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से हमारे संगठन के द्वारा समाज हित में किए जा रहे काम को हम लोग जनता के बीच में रखेंगे। वहीं नजरे आलम ने कहा कि अभी जो जातिगत जनगणना की रिपोर्ट आई है। हमलोग इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार से अपनी बात जरूर रखेंगे। हमें शिक्षा में हमारी आबादी के अनुसार हिस्सेदारी मिले। नौकरी, कारोबार में हिस्सेदारी मिले। सियासी मैदान व राजनीतिक पार्टियों में भागीदारी मिले। हमलोग इस मंच से अपनी बात को रखेंगे। लेकिन हम किसी पार्टी, किसी सरकार के खिलाफ यह आयोजन नहीं कर रहे हैं। यही कारण है कि प्रशासन और जनता का भरपूर सहयोग मिल रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि 28 नवंबर को होने वाला स्थापना दिवस समारोह सदर प्रखंड के मुरिया हाट मैदान में होने जा रहा हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन के संबंध में रविवार को अस्थाई मीडिया सेंटर में की गई प्रेस ब्रीफिंग

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

उत्तरकाशी। सचिव उत्तराखंड शासन डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि पाइप में फंसे ऑगर मशीन की ब्लेड एवं साफ्ट को काटने का कार्य जारी है। इसके लिए लेजर कटर एवं प्लाज्मा कटर को भी मंगाया गया है। जो की सिलक्यारा पहुंच चुका है। उन्होंने बताया अब 13 मीटर के हिस्से को निकाला जाना बाकी है।

सचिव उत्तराखंड शासन डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि पाइप में फंसे ऑगर बिट को निकाले जाने के उपरांत आगे की माइनिंग का कार्य मैन्युअल रूप से किया जाएगा। जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया अंदर फंसे सभी श्रमिक सकुशल हैं। सभी श्रमिक हिम्मत बनाए हुए हैं। श्रमिकों से संवाद हेतु बीएसएनएल की मदद से अतिरिक्त कम्युनिकेशन सेटअप तैयार किया गया है। श्रमिकों को पर्याप्त मात्रा में भोजन, एवं अन्य आवश्यक सामग्री मौजूद है। फंसे श्रमिकों का निरंतर डॉक्टरो से संवाद करवाया जा रहा है। साथ ही मनोचिकित्सकों से भी निरंतर परामर्श करवाया जा रहा है। अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार) एवं एम.डी (एनएचआईडीसीएल) महमूद अहमद ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन में कई प्लानिंग पर एक साथ कार्य चल रहा है। जिसके तहत वर्टिकल ड्रिलिंग का कार्य आज शुरू कर लिया गया है। अब तक 15 मीटर वर्टिकल ड्रिलिंग की गई है। RVNL द्वारा भी परपेंडिकुलर होरिजेंटल ड्रिलिंग का कार्य शुरू किया गया है। इसके लिए सभी मशीनें पहुंच चुकी हैं। परपेंडिकुलर होरिजेंटल ड्रिलिंग हेतु कंक्रीट बेड बनाए जाने का कार्य जारी है।

अपर सचिव (सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार) एवं एम.डी (एनएचआईडीसीएल) महमूद अहमद ने बताया कि ड्रिफ्ट टनल बनाने के विकल्प पर भी कार्य शुरू किया गया है। ड्रिफ्ट टनल का डिजाइन तय कर फ्रेम के फेब्रिकेशन का कार्य शुरू कर दिया गया है। THDC ने भी बड़कोट साइड से टनल का निर्माण शुरू कर दिया है, जिसमें अब तक 4 ब्लास्ट कर 10 मीटर का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ब्लास्टिंग में विशेष सावधानी बरती जा रही हैं। इस दौरान महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी भी मौजूद रहे।

हल्द्वानी पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

हल्द्वानी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हल्द्वानी पहुंचे, जहां उन्होंने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट की बेटी के विवाह समारोह में शामिल होकर उसे आशीर्वाद दिया। रक्षा मंत्री के हल्द्वानी दौरे को लेकर पुलिस ने भी सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए थे, इस दौरान मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए केंद्र और राज्य सरकार पूरी तरह से प्रयास कर रही है, केंद्रीय व राज्य की एजेंसियां लगातार मजदूरों को निकालने का काम कर रही है खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार पूरे रेस्क्यू अभियान की मॉनीटरिंग कर रहे हैं और जल्द ही सभी मजदूर भाइयों को रेस्क्यू कर लिया जाएगा। वहीं पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा सभी पांच राज्यों में सरकार बनाने जा रही है। और इसी लक्ष्य को निर्धारित कर भाजपा काम कर रही है। हम सभी पांचो राज्यों में मजबूत सरकार बनाएंगे, हमें किसी पार्टी की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी और पूर्ण बहुमत से हमारी सरकार बनेगी।

मंत्री के ताबड़तोड़ छापो पर 24 घंटो के भीतर कार्यवाही

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। विगत दिनों उत्तराखंड सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रेखा आर्या ने उधमसिंह नगर जनपद के बाजपुर और जसपुर में राइस मिलों में ताबड़तोड़ छापेमारी की थी । जहाँ खाद्य मंत्री को अपने निरीक्षण में कई सारी खामियां देखने को मिली। जिसपर विभाग ने नियमो का पालन ना कर रही मिलों पर कार्यवाही की है। और ऐसी कुल 04 मिलो को सस्पेन्ड किया है। जिनमे धनलक्ष्मी सीड्स बाजपुर , महाबीर राइस मिल बाजपुर, एएसएम इंडस्ट्रीज बाजपुर और पंजाब राइस मिल जसपुर शामिल हैं। दरअसल बीते रोज खाद्य मंत्री रेखा आर्या ने जनपद उधमसिंह नगर

के बाजपुर व जसपुर में कई मिलों का औचक निरीक्षण किया था जहां कई मिलों में नियमो का उलंघन पाया गया।इसी परिपेक्ष्य में खाद्य विभाग द्वारा यह कारवाही की गई है। खाद्य मंत्री ने बताया कि वहीं एएसएम इंडस्ट्रीज बाजपुर के अपने निरीक्षण में उन्हें यह प्लांट बंद खंडर अवस्था में मिला। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह प्लांट संचालन की अवस्था मे नही है क्योंकि जहां यहां धूल फैली हुई है तो वहीं यहां पर कर्मचारियों का ना होना भी इस बात की पुष्टि करता है कि यह प्लांट भी बंद है। कहा कि प्रथम द्रष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह सारे प्लांट सिर्फ एक डमी के रूप में लगाए गए है जिसका उद्देश्य सिर्फ धान का क्रय करना है।कहा कि जिन भी मिलों में कमियां पाई गई हैं उनमें सोर टैक्स मशीन, ड्रायर प्लांट, ब्लेन्डिंग मशीन का ना होना पाया गया इसके अलावा भी कई अन्य खामियां इन मिलों में देखने मे आई।

गन्ना तौल को लेकर किसान हुए परेशान

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

उधमसिंह नगर। खबर जनपद उधम सिंह नगर के खटीमा से है जहां खटीमा के अशोक फार्म गुरुद्वारा के समीप गन्ना तौल सेंटर पर तौल न होने के कारण किसानों की चिंता बढ़गईहै वहीं किसानों का कहना हैं कि सितारगंज मिल शुरू होने पर किसानों को खुशी हुई ,अभी किसानों का गन्ना तैयार हुआ मगर खटीमा क्षेत्र के अशोक फार्म सेंटर समय से तौल ना होने पर किसान चिंतितहैं, उनका कहना है कि ट्रांसपोर्ट समय पर ना मिलने के कारण उनका गन्ना ट्रालियों में सूख रहा है बीते 4_5 दिनों से किसानों के कई भरी हुई ट्रालियां केंद्र पर सूख रही है,साथ ही किसानों के खेतों में भी गन्ना कटा हुआ सूख रहा है। वहीं गन्ना केंद्र के इंचार्ज लखन स्वरूप ने बताया कि मिल में अचानक तकनीकी खराबी होने के कारण दो दिनों से मिल बंद होने की वजह से तोल रोकी गई साथ ही आज दुरुस्त होने पर उसको शुरू करने का आदेश भी मिल गया है फिर से तौल सुचारू रूप से सुरू कर दिया है।

देहरादून राजधानी में यहां मिले महिला पुरुष के शव, इलाके में सनसनी जांच शुरू

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। थाना बसंत बिहार के अंतर्गत चाय बागान के नहर में महिला-पुरुष की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने खबर से इलाके में सनसनी फैली है.. पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टि सुसाइड केस लग रहा हैं.हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हैं.अभी मौत के अन्य पहलुओं पर जांच-पड़ताल जारी.. जानकारी के अनुसार चाय बागान के कारखाना चौक कुछ कदम आगे परवल-अम्बिवाला जाने वाले रास्ते में नहर पर संदिग्ध परिस्थितियों में महिला पुरुष की लाश मिलने से इलाके के सनसनी फैल गई। देखते-देखते ही घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई.. पुलिस को मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक शादीशुदा महिला और पुरुष मॉर्निंग वॉक के बहाने अक्सर मिला करते थे. आज सुबह भी दोनों वॉक पर निकले थे.. इसके बाद लगभग 11:30 के आसपास उन दोनों की लाश सड़क किनारे नहर पर पाई गई. स्थानीय लोगों ने अवैध संबंधों के चलते हत्या की आशंका भी जताई.. मृतक महिला पितांबरपुर की बताई जा रही है जिसके पति सहित तीन बच्चे हैं.. हालांकि मृतक पुरुष की पहचान नहीं हो सकी है..फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच-पड़ताल कर मौत के कारणों को तलाश रही हैं।

बागान में मिले पूर्व फौजी व महिला के शव, हत्या की आशंका

मुंबई हलचल/ संवाददाता

देहरादून। प्रेम नगर से सटे चाय बागान में पूर्व फौजी व महिला का शव एक साथ सिंचाई गूल में डूबे मिले। पुलिस दोनों के शरीर पर लगी चोटों के आधार पर किसी वाहन की टक्कर से मौत होने की आशंका जता रही है। हालांकि, पुलिस हत्या की आशंका से भी इनकार नहीं कर रही है। पुलिस के अनुसार, पूर्व फौजी सुबह चाय बागान की ओर टहलने गया था और महिला कोठी में खाना बनाने के लिए निकली थी। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस ने दोनों मृतकों के बीच किसी प्रकार के संबंध की जानकारी से इंकार किया है। अंबीवाला निवासी सेवानिवृत्त सैनिक संदीप मोहन धस्माना रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे घर से जागिंग के लिए निकले थे। आमतौर पर वे एक घंटे में घर लौट आते थे, लेकिन रविवार को जब तीन घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी वे घर नहीं आए तो स्वजन ने फोन किया, लेकिन फोन भी नहीं उठा। इस पर उनकी पत्नी ने अपने पिता को फोन कर संदीप मोहन के लापता होने की जानकारी दी। अन्य ग्रामीणों के साथ वे भी उन्हें तलाशने चाय बागान की ओर निकल गए। उन्हें दूर-दूर तक संदीप नजर नहीं आए। इसके बाद स्वजन ने दिल्ली में रहने वाले एक रिश्तेदार को फोन कर संदीप के गायब होने की जानकारी दी। उक्त रिश्तेदार ने पुलिस में किसी परिचित के माध्यम से संदीप के मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस की। जिसमें पता चला कि मोबाइल की लोकेशन दरू चौक के पास आ रही है। स्वजन व ग्रामीण दरू चौक पहुंचे।

आलू बुखारा खाने के 10 कमाल के फायदे, वजन घटाने में भी मददगार

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आलूबुखारा,विटामिन और खनिजों का एक बहुत बढ़िया स्त्रोत है। आलूबुखारा जहां हमारे शरीर को कई रोगों से लड़ने में सक्षम बनाता है, वहीं कई पुराने रोगों को भी जड़ से खत्म करने के लिए है। यह एक ऐसा फ्रूट है जिसे कई तरीको से खाया जा सकता है, जैसे कि आप आलूबुखारे को ताजा या फिर सुखाकर खा सकते हैं। आलूबुखारे की जैम बहुत स्वादिष्ट बनती है। तो चलिए आज हम आपको आलूबुखारे के हैल्थ और स्किन को होने वाले फायदों को बारे में जानकारी देंगे।

सेहत को होने वाले फायदे

आंखों के लिए फायदेमंद - इसमें मौजूद जेक्सनथिन फाइबर आंखो के रोटीना को हेल्दी रखने में बहुत फायदेमंद है। इसी के साथ आलूबुखारा आंखों को सूरज की यूवी किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

कैंसर से बचाए -आलूबुखारे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंटस कैंसर की बीमारी से बचे रहने में भी मदद करते हैं। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन शरीर को कैंसर जैसे रोगों से बचा कर रखते हैं। जिन लोगों को यह बीमारी है वे लोग भी अपने डॉक्टर से सलाह लेकर इनका सेवन कर सकतें हैं।

पाचनतंत्र के लिए - आलुबुखारे को नियमित सेवन करने से आपका पाचन तंत्र हैल्दी बनेगा। अगर आप कब्ज की प्रॉब्लम का सामना कर रहें हैं तो इसका सेवन आपके लिए बहुत जरुरी है। आलुबुखारे में मौजूद आइसटिन और सोर्बिटोल आपके पाचन तंत्र को हैल्दी बनाएगा और कब्ज जैसी प्रॉब्लम से छुटकारा दिलवाएगा।

कोलेस्ट्रोल को करें बैलेंस - अगर आपका कोलेस्ट्रोल बड़ा हुआ है तो आलूबुखारे का सेवन उसे कम करने में मदद कर सकता है। आलूबुखारे में मौजूद सोलियबल फाईबर आपके शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रोल को शरीर में से खत्म कर देता है।

वजन कम करने के लिए - वजन बैलेंस करने के में आलू बुखारे का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। 100 ग्राम आलूबुखारे में केवल 37 प्रतिशत कैलोरी होती है। यदि आप भी अपना वजन कम करने के बारे में सोच रहें हैं तो आलूबुखारे का सेवन आपकी भूख को कंट्रोल करके रखेगा। इसके सेवन से आप एर्नजेटिक फील करेंगे। डाईटिंग के दौरान इसके सेवन से आपको वीकनैस फील नहीं होगी।

रक्तचाप को करे बैलेंस - हाई बीपी के पेशेंट इसकी सेवन करके अपनी ब्लडप्रैशर की प्रॉब्लम से छुटकारा पा सकते हैं। यह एक ऐसा फल है जिसके सेवन से शायद ही किसी को कोई नुकसान होता हो। दिन में आप 100 ग्राम आलूबुखारे का सेवन कर सकते हैं। किडनी के पेशेंट इनका सेवन अपने डॉक्टर से सलाह लेकर ही करें।

हड्डियों के लिए फायदेमंद - साथ ही हमारी हड्डियों को भी स्वस्थ रखता है।आलूबुखारे में मौजूद विटामिन-के हमारी बोनज की डेंसिटी को बढ़ाता है। ऑक्सीडेटिव तनाव के बढ़ने के कारण हमारी बोनज के टूटने का खतरा बना रहता है।आलूबुखारे में फाइटोन्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं जो हमारी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

मधुमेह में फयदेमंद - आलूबुखारे को शुगर के मरीज भी खा सकते हैं। इनका खट्टा-मीठा स्वाद शरीर में शुगर लेवल को नहीं बढ़ने देता। इससें शुगर को बढ़ाने वाले तत्व न मात्र पाए जाते हैं।

स्किन को होने वाले फायदे - इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंटस हमारी त्वचा को लंबे समय तक जवां बनाए रखने में मदद करते हैं। समय से पहले चेहरे पर आने वाली झुर्रियों से इसके डीप फ्रशिंग तत्व बचा कर रखते हैं। आप चाहें तो इससे फेस पैक भी तैयार कर सकते हैं। आपको 1 से 2 आलूबुखारे लेने हैं, जिसमें आधा चम्मच बेसन और शहद को मिला लेना हैं। अब इस फेस पैक को आपको हफ्ते में 2 बार 20 से 25 मिनट के लिए लगाना है। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिनों में अपने फेस पर नैचुरल ग्लो देखने को मिलेगा।

आलूबुखारे के अन्य फायदे - आलूबुखारे की पत्तियों को पीसकर पेट पर लगाने से पेट के कोड़े मरते है। पित्त से जुड़े विकारों से छुटकारा पाने के लिए इनका सेवन बहुत फायदेमंद होता है। जिन लोगों को खाने के बाद एसिडिटी की प्रॉब्लम होती है, उन्हें खाने से 1 घंटा पहले आलूबुखारे के जूस का सेवन आवश्य करना चाहिए। आलूबुखारे के बीजों में से निकलने वाले बादामों के सेवन करने से खट्टे डकारों की प्रॉब्लम से छुटकारा पाया जा सकता है।

मिट्टी में खेलने से बच्चों को मिलते हैं यह Benefits

बड़े बुजुर्ग अक्सर कहा करते थे कि मानव शरीर मिट्टी का बना है,यह एक दिन मिट्टी में ही मिल जाएगा। इसका जरुरत से अधिक ध्यान रखने से कुछ नहीं मिलेगा। आज के मां-बाप लाड-प्यार में अपने बच्चों पर मिट्टी का एक कण भी नहीं लगने देते। पुराने जमाने के बच्चे सारा-सारा दिन मिट्टी में खेलते थे,शायद आज की नौजवान पीढ़ी से कहीं अधिक वे स्वस्थ रहते थे। तो चलिए आज जानते हैं कि बच्चों को मिट्टी में खेलने देने से उन्हें क्या-क्या फायदे हो सकते हैं

मिट्टी में पाए जाने वाले पोषक तत्व - मिट्टी में खनिज, जल, वायु, कार्बनिक पदार्थ और अनगिनत जीवों के जटिल मिश्रण पाए जाते हैं । मिट्टी को पृथ्वी की त्वचा कहा जाता है। साथ ही यह शरीर को कई बीमारियों से दूर रखने में मदद करते हैं। पुराने जमाने में कोई चोट लग जाने पर खास मिट्टी को लेप लगाकर ही चोट के ठीक किया जाता था। मुल्तानी मिट्टी का फेसपैक मिट्टी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों के कारण ही इतना फायदेमंद है। आइए अब जानते हैं मिट्टी में खेलने से बच्चों का क्या-क्या फायदे मिलते है।

गुड-बैक्टीरिया - मिट्टी में हेल्थ-फ्रैंडली बैक्टीरिया पाया जाता है। जो बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए बहुत जरुरी है। चाहे गरीब का बच्चा हो या फिर अमीर का। मिट्टी में खेलना हर बच्चे को पसंद होता है। वो अलग बात है कि कई मां-बाप बच्चों को मिट्टी में नहीं खेलने देते, उन्हें डर होता है कि कहीं बच्चों में संक्रामण न फैल जाए।

रचनात्मक सोच - बच्चों के दिमाग में सबसे अधिक नए-नए आइडियाज आते हैं। मिट्टी में जब बच्चे खेलते हैं तो वह अपने आइडियाज को रुप देते हैं। रोजाना ऐसा करने से उनकी रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है।

रोग-प्रतिरोधक क्षमता - आजकल बच्चों को जुकाम बहुत जल्द हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बच्चों का इम्युनिटी सिस्टम बहुत कमजोर हो चुका है। अगर आप अपने बच्चों को मिट्टी में खेलने देते हैं तो इससे आपके बच्चे की रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ेगी, साथ ही उन्हें मानसिक तौर पर भी मजबूत बनाता है।

बीमारियों से बचाव - युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल में हुए एक शोध के अनुसार जो मां-बाप अपने बच्चों को बचपन में मिट्टी में खेलने से रोकते हैं,उन बच्चों को आगे चलकर ब्लड प्रैशर और अन्य कई खतरनाक बीमारियों के होने का खतरा बना रहता है। इसलिए अपने बच्चों को जितना हो सके खुले वातावरण में हंसने और खेलने के लिए भेजा करें।

इंटैलिजेंट बनते हैं बच्चे - डॉक्टरों का मानना है कि आजकल बच्चे ज्यादातर इनडोर गेम्स खेलना पसंद करते हैं। मां-बाप बच्चों को वीडियो-गेमस खुद लेकर देते हैं, पर वे इस बात को नहीं जानते कि इन सबके इस्तेमाल से उनका दिमाग डल होता जा रहा है। मिट्टी में खेलने से बच्चों का मस्तिष्क तेज होता है। साथ ही बच्चे वातावरण से जुड़े रहते हैं। उनकी फिजिकल एक्टीविटी भी होती रहती है।

तनाव को हटाए - मिट्टी की खुशबू और मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म कीटाणु बच्चों के मूड खुशनुमा बनाए रखता है। इसके अलावा, दूसरे बच्चों के साथ मिट्टी में खेलना उनके तनाव के स्तर को कम करता हैं, इसलिए बच्चों को मिट्टी में खेलने की अनुमति देना उनको रिलैक्स और शांत रखने में मदद करता है।

प्रकृति की देखभाल - जिन बच्चों को खुले वातावरण और मिट्टी में मां-बाप से इजाजत नहीं मिलती, उन बच्चों को प्रकृति के महत्व के बारे में बहुत कम पता होता है। बच्चे जब बाहर खुले वातावरण में खेलने जाएंगे तो प्रकृति रहने से उन्हें प्रकृति के महत्व का पता चलता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद - मिट्टी में पाए जाने वाले तत्व बच्चों की त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

स्किन एलर्जी से लेकर गठिया दर्द का रामबाण इलाज है कपूर, यूं करें इस्तेमाल

कपूर का इस्तेमाल पूजा-अर्चणा में किया जाता है लेकिन इसकी खूशबू मच्छर-मक्खी, कीट-पतंगों को भगाने में भी काम आती है। इतना ही नहीं, कपूर के कई स्वास्थ्य व सौंदर्य फायदे भी हैं जिनके बारे में शायद ही आप जानते हो। दरअसल, कपूर में एंटीबैक्टिरीयल, एंटीफंगल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी जैसे अनेक औषधीय गुण होते हैं। इसलिए इसका इस्तेमाल खाज-खुजली, दाग-धब्बे गायब करने के लिए घरेलु तरीके से किया जाता है। चलिए आज हम आपको बताते है कपूर के ऐसे ही ब्यूटी एंड हैल्थ से जुड़े फायदे, जिनके लिए आप कपूर को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं।

दर्द का रामबाण इलाज - छोटी-मोटी चोट, कमर, गर्दन व पीठ दर्द और सूजन हो जाने पर कपूर रामबाण इलाज साबित होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण होते है जो दर्द से तुरंत राहत दिलाने में मदद करते हैं। जब चोट व सूजन वाली जगह पर कपूर लगाया जाता है तो आपको थोड़ी झुनझुनी, गर्मी व ठंडक महसूस जरूर होती है लेकिन तुरंत राहत भी मिलेगी।

मांसपेशियों में ऐंठन - अगर मांसपेशियां में ऐंठन रहती है तो भी कपूर का इस्तेमाल करें। इसमें मौजूद एंटीस्पास्मोडिक और रिलैक्सेंट गुण ऐंठन से राहत दिलाने में मदद करते हैं। कपूर को ऐंठन वाली जगह पर हल्के हाथों से लगाकर मालिस करें। इससे वहां की कठोर स्किन नरम होगी और आराम मिलेगा।

गठिया दर्द से राहत - बदलते लाइफस्टाइल व खानपान के कारण अधिकतर लोग गठिया जैसी बीमारी से ग्रस्त रहते हैं। गठिया मरीजों को अक्सर जोड़ों में दर्द और सूजन की शिकायत रहती हैं। ऐसे में उन्हें कपूर या उससे बने उत्पादों को इस्तेमाल करें। इससे काफी राहत मिलेगी।

दिमाग को रखे शांत - बिजी लाइफस्टाइल व काम के प्रेशर के कारण अक्सर लोगों को तनाव व अनिद्रा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कपूर के तेल की खुशबू दिमाग को शांत रखने और बेहतर नींद लाने में असरदार साबित होती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

....शिल्पा शेट्टी ने रचाई थी शाही शादी

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने 22 नवंबर 2009 को ग्रैंड वेडिंग की थी.अपनी शादी में शिल्पा शेट्टी किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही थीं. वे सिर से पांव तक गहनों से सजी हुई थीं. उनका दुल्हन का जोड़ा कुंदन और हीरों से जड़ा था. एक्ट्रेस ने हैवी ज्वैलरी कैरी की थी. एक्ट्रेस का ब्राइडल लुक काफी इंप्रेसिव था. शिल्पा के सपनों के राज कुमार राज कुंद्रा भी दूल्हा बने खूब जंच रहे थे. शिल्पा और राज ने अपनी शादी में रेड कलर के आउटफिट में ट्विनिंग की थी. शिल्पा शेट्टी ने अपनी शादी में अपने हाथों में राज कुंद्रा के नाम की भर-भर कर मेहंदी लगवाई थी. एक्ट्रेस इस तस्वीर में अपनी मेहंदी फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं. शिल्पा शेट्टी ने अपनी ये शादी की तस्वीर शेयर की थी. इस तस्वीर में शिल्पा और राज कुंद्रा शादी की रस्में निभाते हुए नजर आ रहे हैं. बता दें कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पिछले 14 सालों खुशहाल शादीशुदा जिंदगी गुजार रहे हैं. हालांकि इस दौरान दोनों की लाइफ में कई उतार-चढ़ाव भी आए लेकिन ये एक दूसरे के साथ खड़े रहे हैं. शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के दो प्यारे से बच्चे भी हैं. एक बेटा वियान और बेटी समीशा. फिलहाल ये जोड़ी हैप्पी मैरिज लाइफ एंजॉय कर रहे हैं.

ट्रोलर्स ने तापसी पन्नू को कहा मर्दाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी चर्चा में रहती हैं। फिल्म में वह एक एथलीट की भूमिका निभा रही हैं, जिसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। हाल ही में तापसी की इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों की अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। वहीं कुछ लोग तापसी को फिल्म में उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और मर्दाना फ्रेम के लिए ट्रोल कर रहे हैं। वहीं अब तापसी ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। तापसी पन्नू ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने विभिन्न प्रकार की कमेंट को स्क्रीनशॉट लेकर शामिल किया। इस वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने लिखा, आप सभी का दिल से शुक्रिया, लेकिन मैं यह बताना चाहती हूं कि ऐसी बहुत सी महिलाएं हैं जो अपनी गलती ना होने के बावजूद भी ऐसी बातों को रोजाना सुनती हैं। उन्होंने लिखा, सभी एथलीट्स को मेरी तरफ से एक श्रद्धांजलि जो भी खेल और अपने देश के लिए पसीना और अपना खून देते हैं उन्हें यह सुनने को मिलता है। बता दें कि फिल्म में तापसी एक सफल एथलीट की भूमिका में दिखाई देंगी। वहीं जेंडर वेरिफिकेशन टेस्ट के बाद उन पर फ्रॉड होने का ठप्पा लग जाता है। जिसके बाद उनकी जिंदगी काफी बदल जाती है। यह फिल्म 15 अक्टूबर, 2021 को जी5 पर रिलीज होगी।

जूही चावला को सेट पर फराह खान से मिलता था 'थप्पड़'

बॉलीवुड एक्ट्रेस जूही चावला हाल ही में 'जी कॉमेडी शो' पर पहुंचीं। इस शो में कोरियोग्राफर फराह खान 'लाफिंग बुद्धा' की भूमिका निभा रही हैं। इस दौरान जूही चावला ने उन दिनों की यादें ताजा की जब उन्हें अपनी फिल्म के सेट पर फराह खान से 'थप्पड़' मिलता था। जूही ने कहा, मैंने पहले भी जी कॉमेडी शो देखा है और यह भी कि कैसे फराह सभी कॉमेडियन को बहुत प्यार से फरार्टेदार थप्पा देती हैं, लेकिन जब हम उनके साथ काम करते थे, तो हमें लगभग रोज एक थप्पड़ मिलता था। उन्होंने कहा, कभी-कभी, वह सेट पर आती थीं और हर कोई कड़ी मेहनत व रिहर्सल कर रहा होता, लेकिन हो सकता है कि उन्हें वह पसंद न आता हो जो हम कर रहे थे, इसलिए पूरी यूनिट के सामने वह माइक लेतीं और चिल्लातीं, ये क्या बकवास है? तुम सब क्या बकवास कर रहे हो? हम डर जाते थे। वहीं जूही चावला की बात सुनकर फराह खान कहती हैं, उन दिनों वाकई बकवास कर रहे थे, कुछ भी कर रहे वे लोग, लेकिन हमने एक साथ कई बेहतरीन गाने किए हैं और हमने अपनी मस्ती का भी उचित आनंद लिया। जूही सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों और डांसर्स में से एक हैं, जिन्हें मैं जानती हूं और मैंने उनके साथ काम करके बहुत अच्छा समय बिताया है।